मूसा का गीत
निर्गमन 15:1-18

प्रभु की बढ़ाई
(पद्य 1-3)

तब मूसा और इस्राएल की संतान ने यहोवा के
लिये यह गीत गाया, और कहने लगे,

मैं यहोवा का गीत गाऊँगा, क्योंकि वह महाप्रतापी ठहरा है;
घोड़ों समेत सवारों को उसने समुद्र में पटक दिया है।

यहोवा मेरा बल और भजन का विषय है,
और वही मेरा उद्धार भी ठहरा है;

मेरा परमेश्वर वही है,
मैं उसी की स्तुति करूँगा,

यहोवा योद्धा है;
उसका नाम यहोवा है।

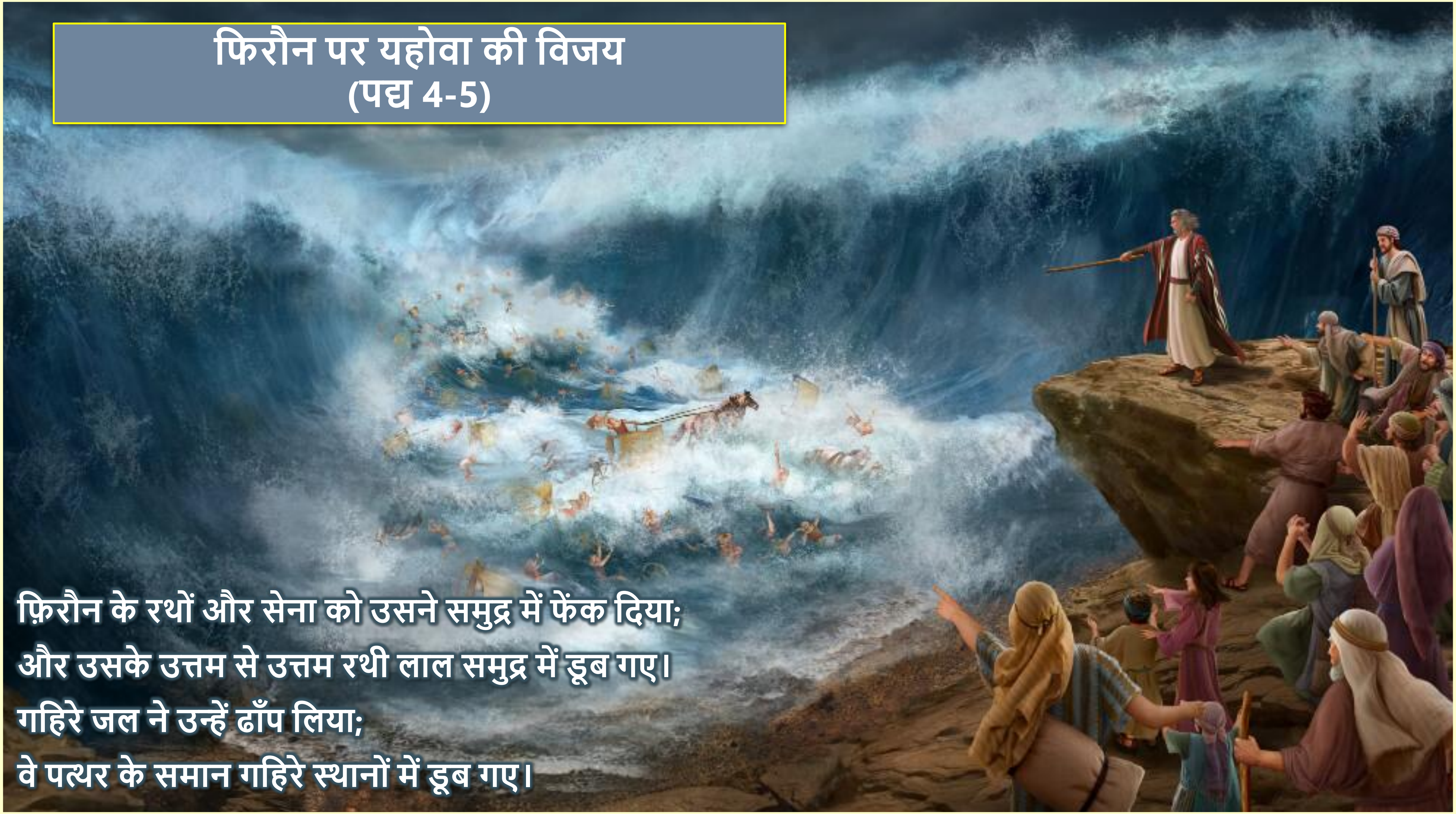
फिरौन पर यहोवा की विजय
(पद्य 4-5)
फ़िरौन के रथों और सेना को उसने समुद्र में फेंक दिया;
और उसके उत्तम से उत्तम रथी लाल समुद्र में डूब गए।
गहिरे जल ने उन्हें ढाँप लिया;
वे पत्थर के समान गहिरे स्थानों में डूब गए।

यहोवा की राजसी महानता
(पद्य 6-7)

हे यहोवा, तेरा दाहिना हाथ शक्ति में महाप्रतापी हुआ;
हे यहोवा, तेरा दाहिना हाथ शत्रु को चकनाचूर कर देता है।

तू अपने विरोधियों को अपने महाप्रताप से गिरा देता है;
तू अपना कोप भड़काता, और वे भूसे के समान भस्म हो जाते हैं;

प्रभु की सृजनात्मक शक्ति और न्याय (पद्य 8-10)

तेरे नथनों की साँस से जल एकत्र हो गया,
धाराएँ ढेर के समान थम गईं;
समुद्र के मध्य में गहिरा जल जम गया।

शत्रु ने कहा था,
'मैं पीछा करूँगा, मैं जा पकड़ूँगा, मैं लूट के माल को बाँट लूँगा,
उनसे मेरा जी भर जाएगा।
मैं अपनी तलवार खींचते ही अपने हाथ से नको नष्ट कर डालूँगा।'

तू ने अपने श्वास का पवन चलाया, तब समुद्र ने उनको ढाँप लिया;
वे महाजलराशि में सीसे के समान डूब गए।

यहोवा की विशिष्टता
(पद्य 11)

हे यहोवा, देवताओं में तेरे तुल्य कौन है?
तू तो पवित्रता के कारण महाप्रतापी,
और अपनी स्तुति करने वालों के भय के योग्य,
और आश्चर्यकर्म का कर्ता है।

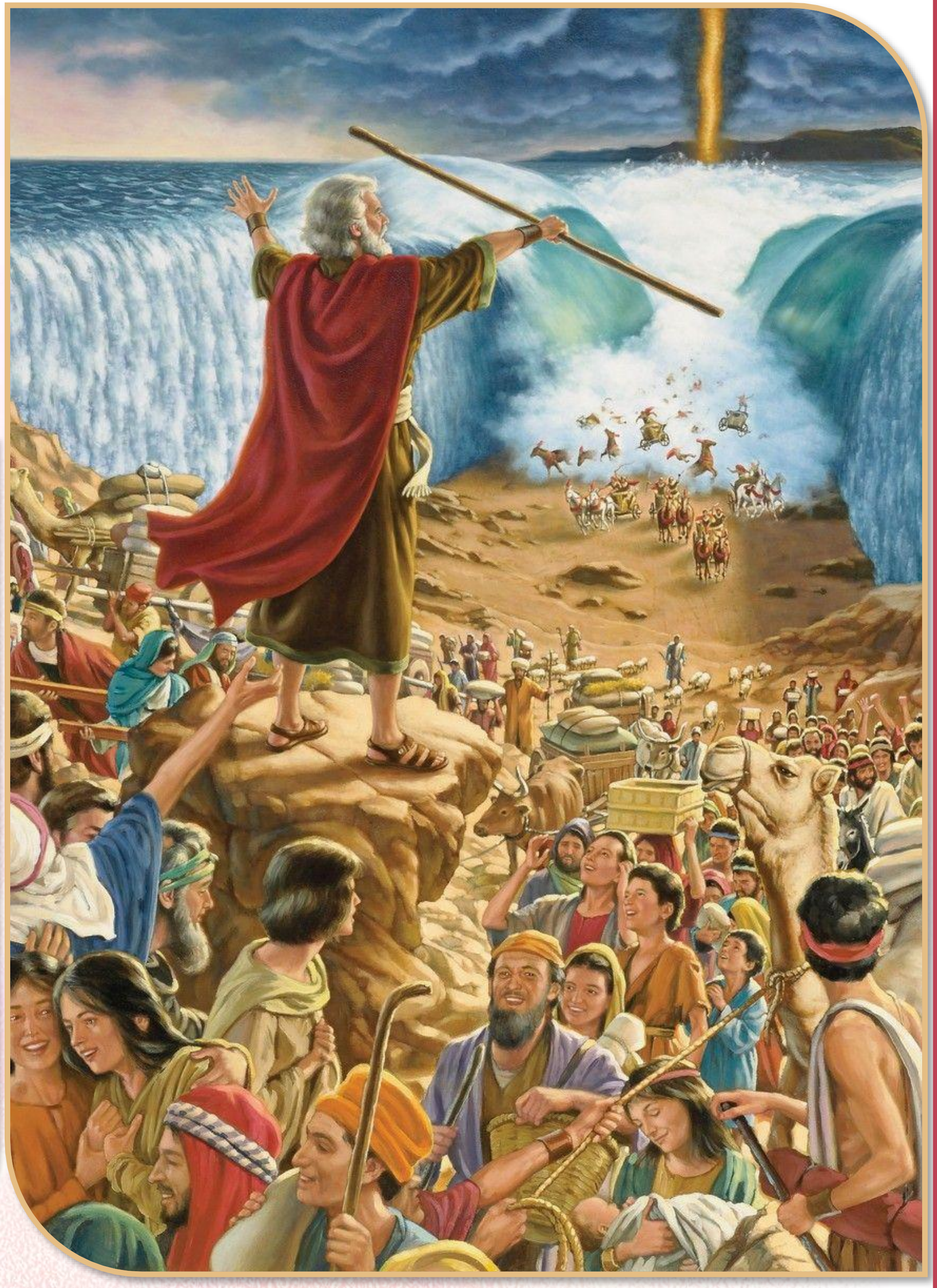

यहोवा का प्रेम और शत्रुओं से छुटकारा (पद्य 12-16अ)

तू ने अपना दाहिना हाथ बढ़ाया,
और पृथ्वी ने उनको निगल लिया है।
अपनी करुणा से तू ने अपनी छुड़ाई हुई प्रजा की अगुवाई की है,
अपने बल से तू उसे अपने पवित्र निवास–स्थान को ले चला है।
देश देश के लोग सुनकर काँप उठेंगे;
पलिश्तियों के प्राणों के लाले पड़ जाएँगे।
एदोम के अधिपति व्याकुल होंगे;
मोआब के पहलवान थरथरा उठेंगे;
सब कनान निवासियों के मन पिघल जाएँगे।
उनमें डर और घबराहट समा जाएगी;
तेरी बाँह के प्रताप से वे पत्थर के समान अबोल हो जाएँगे।

यहोवा राजा है और अपने लोगों को प्रतिज्ञा किए हुए देश में विश्राम देता है (पद्य 16-18)

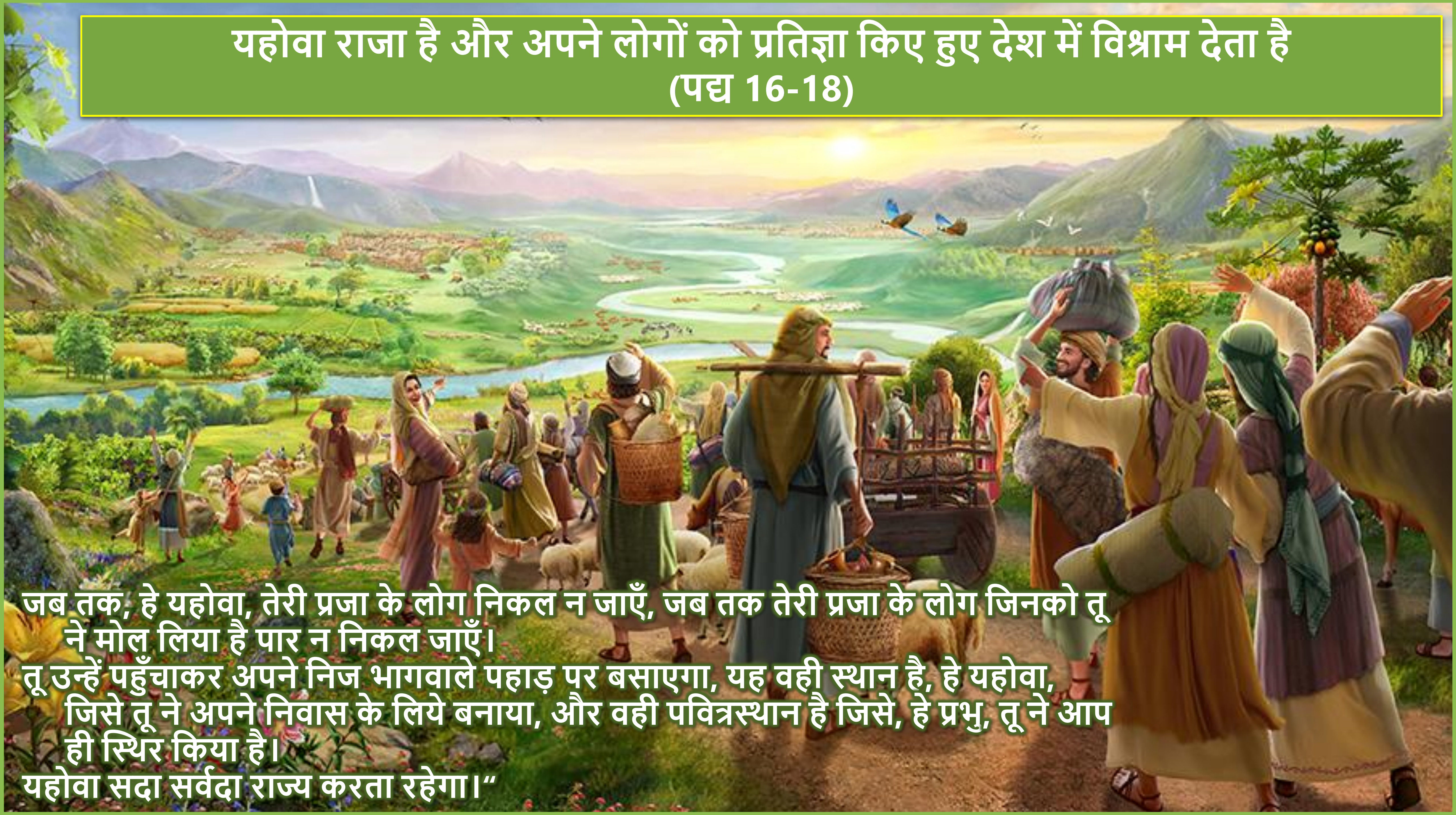

जब तक, हे यहोवा, तेरी प्रजा के लोग निकल न जाएँ, जब तक तेरी प्रजा के लोग जिनको तू ने मोल लिया है पार न निकल जाएँ।

तू उन्हें पहुँचाकर अपने निज भागवाले पहाड़ पर बसाएगा, यह वही स्थान है, हे यहोवा, जिसे तू ने अपने निवास के लिये बनाया, और वही पवित्रस्थान है जिसे, हे प्रभु, तू ने आप ही स्थिर किया है।

यहोवा सदा सर्वदा राज्य करता रहेगा।“

निर्गमन 15:1-18

प्रकाशितवाक्य 20:7-10; 15:1-4